

गांधी जयंती से पूर्व ज्ञानकुंज के एनसीसी कैडेटों ने संभाली स्वच्छता की कमान!

विद्यालय परिसर में चलाया सफाई अभियान, लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) डीएन सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वस्थ और



पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के क्रम में गुरुवार को ज्ञानकुंज एकेडमी, बंशी बाजार में एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता अभियान चलाया। शुक्रवार को विद्यालय में अवकाश होने के कारण गांधी जयंती से संबंधित यह कार्यक्रम एक दिन पूर्व ही आयोजित किया गया। अभियान के दौरान एनसीसी कैडेटों ने विद्यालय परिसर की सफाई-सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने पूरे विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ-सफाई की। कैडेटों ने स्वयं श्रमदान करने के साथ आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रबंधक डॉ.

बेहतर समाज की बुनियाद माना था। स्वच्छता केवल एक दिन का



अभियान नहीं, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विद्यार्थियों में स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना

विकसित करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या शीला सिंह ने कहा कि एनसीसी कैडेटों द्वारा चलाया गया अभियान विद्यार्थियों के साथ समाज के लिए भी प्रेरणादायी है। स्वच्छ विद्यालय और स्वच्छ वातावरण से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। अभियान का नेतृत्व जीसीआई खुशी सिंह और सीटीओ सागर वर्मा के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेटों ने किया। कैडेटों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों से अपने आसपास गंदगी न फैलाने और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने की अपील की। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित एनसीसी कैडेट मौजूद रहे। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों

AHMUP के चुनाव संपन्न, अनुज ठाकुर अध्यक्ष और धनजय प्रताप सचिव निर्वाचित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। एसोसिएशन ऑफ पदों के परिणाम घोषित किए। अध्यक्ष पद पर श्री अनुज ठाकुर



हॉस्पिटल मैनेजर्स, उत्तर प्रदेश (AHMUP) के चुनाव लोकतांत्रिक निर्वाचित हुए। उन्हें 59 मत प्राप्त हुए। पुरुष उपाध्यक्ष पद पर डॉ.

इस पद पर अंतिम निर्णय कोर/सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लिया जाएगा। सचिव पद पर धनजय प्रताप ने 51 मत प्राप्त कर विजय हासिल की। वहीं राज वर्मा को 18 तथा विकास तिवारी को 3 मत प्राप्त हुए। कोषाध्यक्ष पद पर मोहित भारती निर्वाचित हुए, जिन्हें 43 मत प्राप्त हुए। इस पद के चुनाव में 5 मत नोटा के पक्ष में पड़े। चुनाव समिति ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए चुनाव में भाग लेने वाले सभी प्रत्याशियों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुज ठाकुर ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे एसोसिएशन की एकजुटता की जीत है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी और सदस्य मिलकर उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन को सुदृढ़ करने, मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा हॉस्पिटल मैनेजर्स के हितों और अधिकारों के लिए कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित सचिव धनजय प्रताप, चिकित्सालय प्रबंधक, लोक



प्रक्रिया एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हुए। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से जुड़े हॉस्पिटल मैनेजर्स ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। मतगणना के उपरांत चुनाव समिति ने विभिन्न

बन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ ने कहा कि चिकित्सालय प्रबंधन के क्षेत्र में प्राप्त अनुभव का उपयोग AHMUP वेब विकास और संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाएगा। उन्होंने संगठन को अधिक सशक्त, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के साथ हॉस्पिटल मैनेजर्स की पेशेवर क्षमता, सम्मान, अधिकारों एवं हितों के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही। नवनिर्वाचित

कार्यकारिणी ने प्रदेश के हॉस्पिटल मैनेजर्स के पेशेवर विकास, संगठन की मजबूती तथा उनके हितों से जुड़े विषयों पर सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

गांधी जयंती पर विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री राहुल, सिविल जज सी0फंड0/सचिव (पूर्णकालिक),

इण्टर कॉलेज, विन्ध्य सोन इण्टर कॉलेज सजीर, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज दुहरी एवं राजकीय



जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने अवगत कराया कि 30प्र0 राज्य विधिक

सेवा प्राधिकरण, लखनऊ वेब पत्र सांख्या-3273/एसएलएसए-224/2026 (कुलदीप/त्र)

11.09.2026 वेब नोटिफिकेशन एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार 02 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती वेब अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में विशेष रूप से प्राथमिक क्षेत्रों के बालकों एवं बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) के संबंध में सरल एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि आदर्श इण्टर कॉलेज राबट्सगंज, संत जेवियर्स 30मा10 विद्यालय राबट्सगंज, गुरुनानक बालिका

इण्टर कॉलेज घोराल में न्यायिक अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग कर

राहुल ने बताया कि जागरूकता शिविरों में विद्यार्थियों को समझाया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के बालक अथवा बालिका की सहमति का विधिक रूप से कोई महत्व नहीं है तथा ऐसे मामलों में कानून के प्रावधानों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध की स्थिति में तत्काल परिजनो, शिक्षक, पुलिस अथवा विशेष किशोर पुलिस इकाई को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, आपातकालीन नंबर 112 तथा नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी भी दी गई। शिविरों में एल0ए0डी0सी0, मध्यस्थ अधिवक्ताओं, पैनल अधिवक्ताओं एवं पराविधिक

सचयंसेवकों/अधिकार मित्रों ने भी प्रतिभाग किया तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं नालसा द्वारा संचालित विभिन्न विधिक सहायता एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा भी जनपद के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं बोट बचाओ देश बचाओ पर एक सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी केरौली-वीरेंद्र यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी की जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि दिनांक 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक जिला स्तर, तहसील स्तर और ब्लॉक स्तर पर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं बोट बचाओ देश बचाओ पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रेस वार्ता कर यह संदेश दिया जाएगा की जिस तरह मुख्य चुनाव आयुक्त एस.आई.आर. की आड़ में वोटों को चोरी कर भाजपा को लाभ पहुंचाया जा रहा है, वह देश के लोकतंत्र के लिए बहुत ही खतरनाक है। उन्होंने

कहा कि द्वितीय चरण में विधान सभा स्तर पर बैठके आयोजित कर

सचयंसेवकों/अधिकार मित्रों ने भी प्रतिभाग किया तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं नालसा द्वारा संचालित विभिन्न विधिक सहायता एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा भी जनपद के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं बोट बचाओ देश बचाओ पर एक सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी केरौली-वीरेंद्र यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी की जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि दिनांक 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक जिला स्तर, तहसील स्तर और ब्लॉक स्तर पर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं बोट बचाओ देश बचाओ पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रेस वार्ता कर यह संदेश दिया जाएगा की जिस तरह मुख्य चुनाव आयुक्त एस.आई.आर. की आड़ में वोटों को चोरी कर भाजपा को लाभ पहुंचाया जा रहा है, वह देश के लोकतंत्र के लिए बहुत ही खतरनाक है। उन्होंने



कार्यकर्ताओं को संगठित करते हुए आयोजित मार्च को सफल बनाए जाने की कार्यवाई की जाएगी। तीसरे चरण में पार्टी बड़े पैमाने पर जिले स्तर पर मार्च आयोजित कर बाबा साहब

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा से जिला मैजिस्ट्रेट कार्यालय तक मार्च किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रगीत एवं भारतीय संधिदान के अनुच्छेद 326 को सार्वजनिक रूप से सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के अनुरूप करवाई किए जाने हेतु चुनाव आयोग को बाध्य किया जाएगा। वीरेंद्र यादव ने यह भी कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और सरकार को चाहिए कि उन्होंने जो वोट चोरी की है उसका मुकदमा दर्ज कर दंडित किया जाना चाहिए।

नासिक में 31 अक्टूबर से शुरू होगा 'सिंहस्थ कुंभ 2026', आस्था और संस्कृति का महासंगम

नासिक। नासिक की पावन सेवा का प्रमुख केंद्र होगा। आयोजन धरती पर आगामी 31 अक्टूबर में गोदावरी में स्नान, त्र्यंबकेश्वर



2026 से 'सिंहस्थ कुंभ 2026' के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू होने का दावा एक प्रचार पोस्टर में किया गया है। पोस्टर के अनुसार यह आयोजन इनासक-त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र में धार्मिक सुव्यवस्थित तीर्थ-यात्रा अनुभव आस्था, संस्कृति, साधना और

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं वाहिनी पीएसी

उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन



नैनी, प्रयागराज में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक माह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सितंबर 2026 में सरदार पटेल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर शोध एवं विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस परिवारीजनों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके सराहनीय प्रदर्शन पर 42वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक राजेश कुमारी श्रीवास्तव (आईपीएस) ने बच्चों को प्रशस्ति

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज में 2 अक्टूबर का विशेष आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रपिता महात्मा

के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। ब्रास बैंड द्वारा रामधुन एवं देशभक्ति



गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर वाहिनी में श्रद्धा एवं



देशभक्ति के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, आईपीएस की उपस्थिति में क्वार्टर गार्ड पर सशस्त्र सेरेमोनियल सलामी दी गई तथा दोनों महापुरुषों

की धुनों का वादन किया गया। इसी क्रम में बृहद स्वच्छता अभियान चलाकर वाहिनी परिसर के आवासीय एवं अनावासीय भवनों, प्रशासनिक भवन, परेड ग्राउंड, खेल मैदान और अन्य स्थानों की साफ-सफाई की गई। वहीं, सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस परिवारीजनों के बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज-स्वच्छता, राष्ट्रसेवा और राष्ट्रीय एकता के संकल्प के साथ।

सपा नोएडा महानगर ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा आज सपा नोएडा महानगर कैप कार्यालय,

संदेश दिया, जबकि शास्त्री जी ने अपने आचरण से सादगी और ईमानदारी की मिसाल कायम की। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी

महानगर द्वारा उपलब्ध दस्तावेजों और प्रमाणों के आधार पर कल प्रेस वार्ता में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा



सेक्टर-53, कंचनजंगा मार्केट, नोएडा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की।

संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों और देश के प्रति योगदान को याद किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सामाजिक एकता के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

आज के समय में दोनों महान नेताओं के विचार समाज और देश के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके बताए रास्ते पर चलते हुए सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और आम जनता के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सिंह यादव एवं प्रदेश सचिव जयकरण चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी का पूरा जीवन देश और समाज के प्रति समर्पित रहा।

गांधी जी ने देशवासियों को सत्य और अहिंसा की शक्ति का

इन दोनों महान नेताओं के विचारों को अपने जीवन में अपनाए और देश की एकता, भाईचारे एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाए। विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान एवं उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि राजनीति और सार्वजनिक जीवन का उद्देश्य समाज एवं देश की सेवा होना चाहिए।

समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर उनके विचारों से प्रेरणा लेते हुए आम जनता, गरीब, किसान, मजदूर, युवा और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य करती रहेगी। नोएडा में कथित वोट चोरी के प्रयास पर सपा की बड़ी प्रेस वार्ता, मुख्य चुनाव आयुक्त से जवाबदेही को मांग-कार्यक्रम के अंत में महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा कल एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी, जिसमें नोएडा में कथित वोट चोरी के प्रयास पर व मुख्य चुनाव आयुक्त से जवाबदेही की मांग किया जाएगा।

नोएडा विधानसभा-61 में एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची से संबंधित पार्टी द्वारा किए गए परीक्षण एवं एक्जर् किए गए दस्तावेजों के आधार पर महत्वपूर्ण तथ्य सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अनुसार मतदाता सूची में कथित डुप्लीकेट मतदाताओं, कथित गड़बड़ियों तथा समाजवादी पार्टी से जुड़े समर्थकों एवं पदाधिकारियों के नाम कथित रूप से हटाए जाने से संबंधित कई मामले सामने आए हैं। इन मामलों को लेकर समाजवादी पार्टी नोएडा

कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं मतदाताओं के अधिकारों को लेकर पूरी तरह गंभीर है।

पार्टी द्वारा उठाए जा रहे प्रत्येक बिंदु को दस्तावेजों एवं उपलब्ध मतदाता सूची के आधार पर सार्वजनिक किया जाएगा तथा संबंधित निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष भी आवश्यक रूप से रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य मतदाता सूची की पारदर्शिता और पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने के संबंध में तथ्यों को सामने लाना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. आश्रय गुप्ता, वीर सिंह यादव, विकास यादव, बबलू चौहान, जयकरण चौधरी, गौरव कुमार यादव,

सोनू त्यागी, सोनू, उदय सिंह, गौरव यादव, एडवोकेट रणपाल अवाना, कुलभूषण शर्मा, लोकेश यादव, वीरपाल यादव, राकेश यादव,

प्रेम सिंह, मनोज, मंजीत यादव, राणा मूर्खजी, कृपा शंकर यादव, अनेक सिंह, कवित गुर्जर, रामबीर यादव,

राज यादव, मोहित, गुड्डू चौधरी, शालिनी खारी, देवेन्द्र खारी, नितिन कुमार, वीर बहादुर, रोहित यादव, सरवन यादव, पंडित कमल शर्मा, शादाब खान, राम सहली, विश्वास,

तनवीर हुसैन, साहेल चौधरी, रामअवतार यादव, रेणुका मेथी, विजय कुमार, सागर, सतपाल, अशोक गुलाटी, आसिफ अंसारी, इंदजीत, आसिफ, दीपक यादव, नरेश यादव, नकुल चौहान, अमित कुमार एवं रंजन कुमार सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों को नोएडा मीडिया क्लब ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति वन में गुंजे स्मृतियों के स्वर विधायक पंकज सिंह बोले- कठिन परिस्थितियों में भी पत्रकारों ने निभाया जनसेवा का दायित्व, उनका योगदान सदैव रहेगा अविस्मरणीय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। कोरोना महामारी के भयावह दौर में अपनी जान की परवाह किए बिना पत्रकारिता के दायित्वों का निर्वहन करते हुए

था, तब पत्रकारों ने जोखिम उठाकर लोगों तक सही सूचनाएं पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। दिवंगत पत्रकारों का योगदान समाज और पत्रकारिता जगत के

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत पत्रकार साधियों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान



दुनिया को अलविदा कहने वाले पत्रकार साधियों की स्मृति में शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब की ओर से सेक्टर-73 स्थित स्मृति वन में श्रद्धांजलि सभा एवं स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिवंगत पत्रकारों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, समर्पण और पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता को याद किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की।

कार्यक्रम के दौरान स्मृति वन में स्थापित स्मारक पर दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

उपस्थित अतिथियों और पत्रकारों ने कोरोना काल की उन कठिन परिस्थितियों को याद किया, जब संक्रमण के खतरे के बीच भी पत्रकार लगातार मैदान में रहकर आमजन तक सूचनाएं पहुंचाने और जनहित के मुद्दों को उठाने में जुटे रहे। इस अवसर पर विधायक पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान पत्रकारों ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। जब पूरा देश संकट के दौर से गुजर रहा

लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि कोरोना काल में बिछड़े पत्रकार साथी केवल पत्रकारिता जगत की क्षति नहीं, बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति है।

उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखना और उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि नोएडा मीडिया क्लब द्वारा देशभर में कोरोना महामारी के दौरान दिवंगत हुए पत्रकारों की स्मृतियों को संजोने और उनके योगदान को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से स्मृति वन में स्मारक का निर्माण कराया गया है।

यह स्मारक उन पत्रकारों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जिन्होंने कठिनतम परिस्थितियों में भी अपने पेशे की गरिमा को बनाए रखा। श्रद्धांजलि सभा का माहौल भावुक रहा।

उपस्थित लोगों ने दिवंगत पत्रकार साधियों को नमन करते हुए उनके अश्रु से सनें और पत्रकारिता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गाँधी जयन्ती अवसर पर निकाली गयी जागरुकता रैली व विधिक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ वेब निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश/

को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वारा



अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जिला विधिक सेवा



प्राधिकरण रायबरेली के तत्वाधान में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयन्ती के अवसर पर मध्यस्थता, सुलह तथा वैकल्पिक विवाद निवारण एवं अहिंसा के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

अहिंसा है। इस संगोष्ठी में पैनल अधिवक्ता हिमांशु गुप्ता, सुनील कुमार सिंह, पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह, रुचिता यादव,



राजकमल, नागेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार तिवारी व समस्त स्टाप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित रहे। गांधी जयन्ती के

श्रीवास्तव, मनोज कुमार प्रजापति, किरन तिवारी, प्रीत सिंह, आशीष कुमार यादव व सैकंडी छात्राएँ उपस्थित रही।

महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी तो परिवार भी होगा सशक्त- नम्रता शुक्ला पढ़ें की झिझक छोड़ आर्थिक गतिविधियों में बढ़ें महिलाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुंबई की महाप्रबंधक नम्रता शुक्ला ने जगतपुर ब्लॉक के

प्राप्त करने और आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने महिलाओं को नियमित बचत करने, बैंकिंग लेनदेन की



पूरब गांव में आयोजित वित्तीय साक्षरता बैठक में महिलाओं को

जानकारी रखने और जरूरत के अनुसार बैंक से ऋण सुविधा का लाभ



आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। बैठक का आयोजन बैंक ऑफ बड़ीदा के वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केंद्र की ओर से किया गया।

महाप्रबंधक ने महिलाओं से वित्तीय समावेशन (एफआई) से जुड़ी केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी ली।

उन्होंने जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित बैंकिंग सुविधाओं का लाभ लेने के लिए महिलाओं को जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि बैंक खाता केवल पैसे रखने का माध्यम नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे

लेने की सलाह दी। साथ ही कहा कि महिलाएं सामाजिक शिक्षक और पढ़ें की बाधाओं से बाहर निकलकर आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाएं। अपने पैरों पर खड़ी होकर वे स्वयं के साथ पूरे परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती हैं।

इस दौरान उन्होंने महिलाओं से बैंकों से जुड़ी समस्याओं की जानकारी भी ली और उनके समाधान के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

बैठक में आरबीआई के अधिकारी राधिका कुप्पन, सदेश बघोले, ऋषभ सक्सेना, विनय शर्मा, गिरजा शंकर पांडेय, लीड बैंक मैनेजर सुबोध मिश्र, परामर्शदाता मनमोहन शुक्ला, रोहित शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन से लें प्रेरणा: डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोंका ने कलेक्ट्रेट परिसर में



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उनके

नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर है। कार्यक्रम



चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों (वित्त एवं राजस्व) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल लुमार यादव, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, उपजिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बृजेश तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी आशीष श्रीवास्तव, महेश त्रिपाठी, रामेन्द्र मिश्रा सहित सम्बन्धित कार्मिक उपस्थित रहे।

सरकारी हेल्थ सेक्टर बीमार और निजी अस्पतालों का मौत का कारोबार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)भारत में चिकित्सा क्षेत्र में खुली लूट चल रही है जिसकी



कहानी हम आए दिन सुनते रहते हैं। अस्पतालों में उपचार के नाम पर होने वाली अत्यधिक वसूली एक गंभीर और व्यापक समस्या बन चुकी है। किसी अस्पताल में उपचाराधीन मरिज जब बीमारी से जंग लड़ रहा होता है तो वह उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों और दवाइयों के मूल्य की परवाह नहीं करता वह बस यह सोचता है कि किसी भी परिस्थिति में जल्द से जल्द स्वस्थ होकर अपने घर वापस लौट

जाए। लेकिन इस परिस्थिति में मरीजों से दवा और उपकरणों के नाम पर भर-भर कर मोटी रकम

एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते मरीजों से मनमानी कीमत वसूली जाती है। निजी अस्पताल किसी की भी नहीं बख्शाते। अगर तीमारदार बिल नहीं चुकाते तो अस्पताल वाले शव भी नहीं ले जाने देते, कई नामी गिरामी अस्पतालों से ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि मर चुके व्यक्ति को वैटिलेटर लगाकर उसका इलाज दिखाया जा रहा है ताकि लाखों का बिल वसूला जा सके। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इस दिशा में उचित कार्यवाही करनी चाहिए और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना

चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम आने वाले सामानों की स्पष्ट बिलिंग हो, स्वास्थ्य सेवा एक मौलिक अधिकार है ना कि एक विशेषाधिकार। हर भारतीय को सस्ती और नैतिक चिकित्सा सेवा प्राप्त होनी चाहिए, मानवीय और नैतियां को लागू करके और रोगियों के अधिकारों की रक्षा करके ही देश एक न्याय पूर्ण सम्मान और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की ओर बढ़ सकता है।

हम हमेशा नई चीजें नहीं खोजते, जाने-पहचाने में भी सुकून है...

कैसे हैं पिकर? - मैंने पूछा। 'इट्स अ वन टाइम वॉच' - मुझे जवाब मिला। छोड़ो पैसे बचे, टाइम बचा, मैंने अपने आपसे कहा। बात आई-गई हो गई। कई फिल्में आती हैं और जाती हैं और इसी तरह के वाक्य सुनने को मिलते हैं।

हैंव मेजर्ड-आउट माय लाइफ विद कॉफी स्पूस।' यानी मैंने अपने जीवन को कॉफी की चम्मचों से नापा है। पर मैं यही बात अमिताभ बच्चन की फिल्मों के लिए कहूंगी। सत्तर और अस्सी के दशक के अमिताभ। उसके बाद फिर मेरी

कि दुःख सब पर आते हैं, कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना वगैरह-वगैरह। जिस समाज में गरीबी, असमानताएं और हिंसा से भरे वाक्य हों, उसे फिल्मों द्वारा एक सुकून मिलता। शायद इसलिए हम बार-बार उसकी तरफ जाते

आप सोचिए कि एक बार फिल्म देखें पर इतनी गहरी बात कैसे कही जा सकती है। फिल्मों के शीर्षक, गीतों के बोल, प्यार और रुस्वाई की अभिव्यक्तियां- यानी एक सम्पूर्ण ब्रह्मावली ने हमारी भाषा को बनाया, सजाया और संवारा। इसी से हमने समझा कि दर्द मीठा भी हो सकता है, कि जब गुस्सा छाी करनी हो तो दिल के बहाने हम कर सकते हैं। अपने साहसी प्रयोजनों को 'दिल बेकरार' है" कहकर जता सकते हैं। जरा सोचिए, ऐसे कितने ही गाने हैं जिनमें दिल को माध्यम बना दिया गया है- 'मेरे दिल में आज क्या है, तू कहे तो मैं बता दूँ' वगैरह। कभी-कभी आंखें भी काम कर जातीं, क्योंकि जो होतों पर इनकार होता, वह आंखों में इकरार बन जाता। जिस समाज में प्राइव्सेसी नहीं और घर-परिवार की निगाहें आप पर हों, वहां आप कैसे ठीक से किसी पर निगाह डालेंगे? बात आंखों पर आकर रुक जाती। समझदार के लिए इशारा काफी था। तो चलिए, मैं वहीं लौटती हूँ, जहां से शुरूआत की थी। फिल्मों को बार-बार देखना, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेना- यह एक ऐसी नजदीकी को दर्शाता है,

एक ऐसा बहाना, जिसकी हमें उस दौर में जरूरत थी, जिसमें हम जी रहे थे। हमारा शरीर, हमारी अपनी पहचान का एहसास, समय को लेकर हमारी सोच- ये सब कुछ बदल गया है। शायद मेरे लिए इन दो अलग-अलग दौरों की तुलना करना बेकार ही है। गुजरा हुआ जमाना, आता नहीं दोबारा, हाकिज खुदा तुम्हारा... फिल्मों की कहानियां हमेशा नई नहीं थीं और किस मोड़ पर आकर उनकी अंत होगा, वह भी हमें पता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीजें ढूँढते हैं। अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? जाना-पहचाना देखने में भी एक सुकून होता है। बहरहाल, बोलचाल की जवान में फिल्म के डायलॉग आ जाते तो उसे झूठ नहीं माना जाता। शायद वह अलंकार ही समझा जाता। मुझे याद है मां गुस्सा होकर पिताजी से कहतीं- 'मैं चुप नहीं रहूंगी। जैसे मीना कुमारी कहती मुझे भी वही कहना है।' यह सुनकर कोई हंस नहीं देता, परंतु उस गुस्से को ज्यादा दमदार समझता। अब



हालांकि मैं उस नस्ल की पैदाइश हूँ, जब 'शोले' 20 बार और 'दीवार' 30 बार देखी जाती। आप कहेंगे ऐसी फिल्में बनती कहां हैं? आजकल, और आपका कहना बिलकुल जायज़ है। पर क्या ये सिर्फ अच्छी और खराब फिल्मों की बात है, या फिर फिल्मों से ही हमारा रिश्ता बदल गया है? ये भी पूछा जा सकता है कि हमारा समय से रिश्ता बदल गया है और फिल्मों को 10-20 बार न देखना उस बदलते रिश्ते का एक उद्घारण है। मेरी जिंदगी सिर्फ फिल्में देख-देख कर नहीं, सिर्फ गाने सुनकर और मंगनुनाकर नहीं, पर फिल्मों द्वारा जिंदगी को देखने से बनी है। टीएस एलियट कहते हैं- 'आई

फिल्मों से दूरी हो गई। कोई पूछता है जब यह या वह वाक्या हुआ, तब तूम कितने साल की थीं? मैं सोचने लगती हूँ, जब 'दीवार' देखी थी तो शायद मैं इतने साल की थी। कहने का मतलब है? कि हमारे काल पर फिल्मों की छाप थी और हम फिल्म-काल में रहते थे। इस तीव्र और गहरे रिश्ते के कई फायदे थे, जिनमें से एक यह था कि हम फिजुल में वॉट्सएप और सोशल मीडिया पर वक्त बर्बाद नहीं करते थे। हमारे जेहन में कहानियां, गाने और डायलॉग भरे हुए थे और जिस तरह लोग कबीर या रहीम के दोहे दोहराते हैं, हम फिल्मी बातें दोहराते थे। हमारे लिए वे किसी दोहों से कम नहीं थीं। उन्हीं से हम सीखते

कहानियां हमेशा नई नहीं थीं और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता रहता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीजें ढूँढते हैं। अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? जाना-पहचाना देखने में भी एक सुकून होता है। बहरहाल, बोलचाल की जवान में फिल्म के डायलॉग आ जाते तो उसे झूठ नहीं माना जाता। शायद वह अलंकार ही समझा जाता। मुझे याद है मां गुस्सा होकर पिताजी से कहतीं- 'मैं चुप नहीं रहूंगी। जैसे मीना कुमारी कहती मुझे भी वही कहना है।' यह सुनकर कोई हंस नहीं देता, परंतु उस गुस्से को ज्यादा दमदार समझता। अब

दुनिया की कहानी अब केवल अमेरिकी ताकत से नहीं लिखी जाएगी

वॉशिंगटन के जॉइंट बेस एंड्रयू पर उस दिन एक असाधारण दृश्य था। श्री जिनपिंग के विमान से उतरते ही ट्रम्प स्वयं उनका स्वागत करने पहुंचे। अगले दिन व्हाइट हाउस में राजकीय भोज, सैन्य सम्मान और गर्मजोशी भरी कूटनीतिक भाषा ने इस दृश्य को और अर्थपूर्ण बना दिया। लेकिन इसके पीछे एक गंभीर सवाल था- क्या अमेरिका चीन को मना रहा है? और यदि अमेरिका को डॉलर की स्थिति को संभालने के लिए चीन के सहयोग की जरूरत है, तो क्या बीजिंग आसानी से रहम करेगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रीय कर्ज सितंबर 2026 में 40.10 ट्रिलियन डॉलर पार कर चुका है। पिछले एक वर्ष में इसमें 2.67 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि हुई। आईएमएफ की चेतावनी दे चुका है कि अमेरिकी सार्वजनिक कर्ज और अल्पकालिक कर्ज पर बढ़ती निर्भरता वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम बढ़ा रही है। फिर भी डॉलर की वैश्विक स्थिति अभी इतनी मजबूत है कि आईएमएफ के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में विश्व के आधिकारिक

विदेशी मुद्रा भंडारों में डॉलर की हिस्सेदारी 57.13फीसदी थी। अमेरिका की असाधारण शक्ति का बड़ा आधार यह है कि उसकी मुद्रा केवल उसकी ही नहीं है। दुनिया



के केंद्रीय बैंक डॉलर रखते हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार डॉलर में होता है और संकट के समय अमेरिकी डॉलर को सुरक्षित परिसंपत्ति माना जाता है। अप्रैल 2025 में वैश्विक विदेशी मुद्रा बाजार में प्रतिदिन लगभग 9.6 ट्रिलियन डॉलर का कारोबार हुआ और 89.2फीसदी लेन-देन में डॉलर एक पक्ष था। यही वह व्यवस्था है, जिसने अमेरिका को दशकों तक अपनी आय से अधिक खर्च करने की सुविधा दी। अमेरिका सामान आयात करता है, व्यापार घाटा चलाता है और बदले

में दुनिया अमेरिकी वित्तीय परिसंपत्तियां खरीदती है। अमेरिका उसकी आर्थिक संरचना को दुनिया उसके कामजी दावे सहजित है। चीन अमेरिका का सबसे बड़ा रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने के साथ-साथ उसकी आर्थिक संरचना का महत्वपूर्ण भागीदार भी है। इसलिए चीन यदि अमेरिकी वित्तीय परिसंपत्तियों में अपनी भूमिका अचानक बदलता है, तो उसका प्रभाव केवल अमेरिका नहीं, वैश्विक वित्तीय बाजारों पर भी पड़ सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि चीन अमेरिका के हित में काम करेगा। वह अपने हित में धीरे-धीरे विकल्प बना रहा है। आईएमएफ के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में वैश्विक आधिकारिक भंडारों में चीनी रेनमिन्बी की हिस्सेदारी केवल 1.99फीसदी थी- डॉलर के 57.13फीसदी से बहुत दूर। फिर भी बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के अनुसार 2025 में रेनमिन्बी वैश्विक विदेशी मुद्रा कारोबार में 8.5फीसदी हिस्सेदारी

तक पहुंच चुका था। अमेरिकी चाहता है कि चीन अधिक अमेरिकी वस्तुएं खरीदे, व्यापार घाटा घटे और डॉलर मजबूत रहे। दूसरी ओर वह चीन की तकनीकी क्षमता को सीमित करना चाहता है। वह चीन से रियर अर्थ एलिमेंट्स की आपूर्ति चाहता है, लेकिन अपनी उन्नत तकनीक चीन तक पहुंचने से रोकता है। चीन से सहयोग भी चाहिए और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा भी करनी है। एक हाथ में टैरिफ, दूसरे हाथ में लाल कालीन-अमेरिकी नीति का यही विरोधाभास है। जिस अमेरिका ने दुनिया को डॉलर पर निर्भर बनाया, आज उस यह सुनिश्चित करने के लिए चीन से बातचीत करनी पड़ रही है कि वैश्विक व्यवस्था अचानक उसके विरुद्ध न मुड़ जाए। ट्रम्प द्वारा श्री का हवाई अड्डे पर स्वागत केवल कूटनीतिक थिएटराचार नहीं है; यह उस बदलती विश्व अर्थव्यवस्था का प्रतीक भी है, जिसमें अमेरिका अभी सबसे शक्तिशाली खिलाड़ी है, लेकिन अब अकेला खिलाड़ी नहीं। डॉलर अभी संकट में नहीं है। पर उसकी कहानी अब केवल अमेरिकी ताकत से नहीं लिखी जाएगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, सुखवीर सिंह)

ईश्वर की अनुभूति भीतर हो तो उसमें कामना नहीं आ सकती

कामना का निर्माण भीतर से नहीं होता। भीतर से तो उसकी पूर्ति के प्रयास होते हैं। देखिए कामना बाहर से कैसे आती है। एक सुंदर चेहरा देखा और वह अंदर आया। किसी की बढ़िया गाड़ी देखी, वह अंदर आई, कामना बनी। फिर भीतर उसका निर्माण शुरू हुआ। हम जो बाहर से साधन भीतर भरते हैं, उससे कामना बनती है। तो भरना रोक दें, क्योंकि एक बार अगर अंदर निर्माण हुआ तो वह कहीं ना कहीं निकलगा जरूर। कामना प्रकट होगी जरूर। दबाने पर और कई बीमारी आ जाएंगी। वस्तुएं-व्यक्ति जब भीतर आते हैं तो मन की चक्की उनको पीसती है और कामना का निर्माण हो जाता है। फिर कामना पूर्ति के लिए मनुष्य पता नहीं क्या-क्या करता है।

तो कोशिश करें जब कोई चेहरा देखें, वस्तु देखें तो उसके प्रति एक समझ जगाएं कि यह बाहर का मामला है, बाहर ही रहे तो अच्छा। मैं भीतर क्यों लाऊं? लेकिन भीतर अगर कुछ खाली है तो भराव जल्दी हो जाएगा। तो भीतर का भराव भगवान से करें। अगर परमात्मा की अनुभूति, परमात्मा का नाम-जप भीतर भरा हुआ है तो बाहर से वह साधन भीतर आकर कामना निर्मित नहीं कर पाएंगे। पं. विजयशंकर मेहता

ग्रोथ एक आंकड़ा नहीं माइंडसेट है, जो मूंगफली की दुकान से भी आ सकती है

लक्ष्मी रोज पति के ऑफिस और बच्चों के स्कूल जाने के बाद 3 घंटे की वॉलंटियरिंग के लिए घर



से निकल जाती हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी की पढ़ाई तो की, पर काम का कोई अनुभव नहीं है। वे नियमित रूप से एक स्थानीय निजी अस्पताल की वैरिटी विंग में लगन से उन मरीजों की मदद करतीं, जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते थे। जरूरतमंद लोगों को कम खर्च या कई बार मुफ्त में इलाज दिलाकर उन्हें संतोष मिलता। धीरे-धीरे उनका चैरिटी का काम बढ़ा तो इलाके में उनकी पहचान बनने लगी। वे स्ट्राफ रखने लगीं, फंडिंग के लिए म्यूनिशनल कंपनियों से जुड़ीं, कॉरपोरेट डोनर्स से मिलने यात्राएं करने लगीं। साथ ही अपने मूल स्थान पर चल रहा काम भी संभालती थीं। आप जानते हैं? कि वे चुपचाप क्या बना रही थीं? यह था- अपना सीवी। वे लीडरशिप,

अनुभव कई महंगे कॉरपोरेट ट्रेनिंग प्रोग्राम्स से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। करीब 50 हजार लोगों पर हुए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में सामने आया कि वॉलंटियरिंग एकमात्र वर्कलेस इंटरवेंशन है, जो व्यक्ति की वेलबीइंग को बेहतर बनाता है और यह कर्मचारियों की पारंपरिक ट्रेनिंग या अन्य सहायता कार्यक्रमों से काफी आगे है। लक्ष्मी के लिए भी ये सच साबित हुआ। काम शुरू करने के 5 साल बाद उनके जीवन में कठिनाई आई। पति की नौकरी चली गई। पर लक्ष्मी ने आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने पति का हौसला बनाए रखा, दोस्तों-पड़ोसियों के सामने भी माहौल सहज रखा। वॉलंटियरिंग ने जल्द ही बेहद व्यावहारिक तरीके से घरेलू स्थिति संभाल ली। कैसे?अब तक उन्होंने

मजबूत व विविध नेटवर्क बनाया था। वे प्रभावशाली लोगों को कॉल कर सकती थीं, सीधे उनके ऑफिस जा



सकती थीं। लक्ष्मी की निस्वार्थ सेवा-पेशेवर रवैए के कारण वे लोग उनका सम्मान करते। इन चर्चाओं में उन्होंने परिवार की अपात स्थिति बताई और सहायता भी तत्काल मिली। न सिर्फ उनके पति को लक्ष्मी मिली, बल्कि उन्हें भी उसी चैरिटी में वेतन वाली स्थायी नौकरी ऑफर हुई। आज भी ऑफिस की नौकरी के अलावा वे तीन घंटे अतिरिक्त वॉलंटियरिंग करती हैं। वॉलंटियरिंग दूसरी की मदद का तो बेहतर तरीका है ही, आज के जॉब मार्केट में वे खुद की मदद का भी सबसे अच्छा जरिया बन गया है। रिक्रूटर्स शैक्षणिक उपलब्धियों से ज्यादा प्रामाणिक कौशल को प्राथमिकता देते हैं, इसलिए वॉलंटियरिंग प्रोफाइल मजबूत बनाती है। बहुत से रिक्रूटर्स मानते हैं कि वॉलंटियरिंग में अनुभवी

कैंडिडेट्स ज्यादा खुश रहते हैं, इंटरव्यू को अधिक सहजता से हैंडल करते हैं। उनके अनुभव अधिक प्रामाणिक होते हैं। युके जैसे देशों में कंपनियां वॉलंटियरिंग को बढ़ावा देती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि इसका कर्मचारियों के प्रदर्शन व कार्यस्थल की संतुष्टि पर सकारात्मक असर होता है। मूंग्रसे मार्गदर्शन लेने वाले विद्यार्थियों को मैं हमेशा सलाह देता हू कि काम यदि अत्यधिक तकनीकी भरा न हो तो सामान्य इंटरनशिप के बजाय वॉलंटियरिंग करें।

इससे नेटवर्क बनता है, अनौपचारिक माहौल में लाभार्थियों व कॉरपोरेट लीडर्स से सीधे बात का मौका मिलता है। ये उन्हें प्रोफेशनल टर्मिनॉलॉजी-व्यवहारिक कामकाज सिखाती है, जिससे उनके पास इंटरव्यू में बात करने के लिए ठोस विषय होते हैं।

2005 की मुंबई बाढ़ में मदद करने वाले मेरे विद्यार्थियों को उनके साथियों से पहले नौकरी मिली। वजह सिर्फ चैरिटी नहीं थी, बल्कि उन्होंने साबित किया था कि वे परिपक्वता से आपदाओं को संभाल सकते हैं।

हर सक्षम व्यक्ति, खासकर कॉलेज छात्रों को वॉलंटियरिंग जरूर करनी चाहिए। इससे आत्मसंतुष्टि मिलती है और संकट के वक में वे पेशेवर की तरह सहायता करना सीखते हैं।

फंडा यह है कि वॉलंटियरिंग के जरिए आप स्वयं का ही सबसे मजबूत रूप तैयार करते हैं। सुनिश्चित करते हैं कि आप भविष्य की हर चुनौती के लिए तैयार हैं। ...और तब देना ही पाना भी बन जाता है। एन. रघुरामन

बड़ा दिल रखने के लिए पैसा नहीं, मंशा चाहिए!

'इंडिया का आखिरी होटल है। आइए, थोड़ा चाय-समोसा लीजिए, कोल्ड ड्रिंक पीजिए। अभी कार्यक्रम शुरू होने में काफी समय है।' मैं



इस जगह पर कई बार आया हूँ, लेकिन ये शब्द कभी नहीं सुने। इसलिए मैं इस आवाज को लगाने वाले बख्शीश सिंह से मिलने के लिए कार से उतरा, जो अपने बड़े भाई के नाम से 'बठजीत फूड कॉर्नर' नामक ढाबा चलाते हैं। मैंने चारों ओर निगाह डाली। वह झूठ नहीं बोल रहे थे। वास्तव में उनका ढाबा भारत और पाकिस्तान की सीमा को बांटने वाली जीरो माइल पर बने लोहे के विशाल गेट से पहले आखिरी था, इस गेट की सुरक्षा हमारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) करती है। चाय की चुस्की लेते हुए लोग, दोनों देशों को विभाजित करने वाले लोहे के दो मजबूत दरवाजों से पहले बने कड़ी सुरक्षा वाले कॉन्क्रीट के गेट देख सकते हैं। इस शनिवार की शाम को मैं 'सीमित हो गई' बीटिंग रिट्टी समारोह को देखने के लिए वाघा-अटारी सीमा पर था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 12 दिन निरोधित रहा ये समारोह 20 मई 2025 को फिर से बहाल हुआ था। मैं इस प्रतिष्ठित समारोह को देखना चाहता था, हालांकि इसमें अब लोहे के दरवाजे बंद ही रहते हैं और बीएसएफ तथा पाकिस्तानी रेंजर्स के बीच पारंपरिक तौर पर होने वाली हाथ मिलाते की प्रक्रिया भी बंद कर दी गई है। सीमा से 300 फीट दूर खड़े होकर बख्शीश द्वारा परोसी गई चाय का स्वाद लेते हुए मैं ग्राहकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देख रहा था। वह दिन में महज 2 से 3 घंटे ही व्यापार करते हैं, जब भीड़ बीटिंग रिट्टी में देशभक्ति भरे नजारों को देखने आती है और सूर्यास्त के साथ झंडा उतरते ही वापस लौट जाती है। वह जानते हैं यहाँ उन्हीं ग्राहकों के दोबारा आने की संभावना बहुत कम है। पर फिर भी अपनी सफेद दाढ़ी के पीछे चमकते दांतों वाली चौड़ी मुस्कान व सत्कार के साथ बख्शीश हमें वैसे प्रभावित करने का कोई मौका वह नहीं चुकते। हालांकि उनकी हम अस्थायी दुकान, खाने की जरूरी चीजें बेचने वाली आखिरी ईंटरी है, फिर भी मैंने उन्हें कोई भी

चमकाने में गर्व का अनुभव करता है। चूंकि उनके ढाबे में डिस्पोजेबल गिलास का उपयोग नहीं होता, इसलिए उनका परिवार चाय के हर गिलास को बड़े धैर्य से साफ कर रहा था। यहां तक कि वह खुद पर्यटकों से कट रहे थे कि वे उनसे खरीदी पानी की खाली बोतलें यहां-वहां फेंककर खाली न रें। बीएसएफ के जवान भी लोगों से गंदगी नहीं फैलाने का आग्रह कर रहे थे। यकीन मानिए बख्शीश सिंह ज्यादा कमाई नहीं कर रहे थे। उनके और उनके घरवालों के कपड़े इस बात का सबूत थे कि वे बस गुजारा चला रहे थे, लेकिन देश के प्रति उनका प्यार और देशवासियों के प्रति भाईचारा एक अलग ही स्तर पर था। उनके व्यापारिक कौशल में दया की एक मोटी पर्त थी, जो आम तौर पर स्वर्ण मंदिर कहे जाने वाले श्रीहरमिन्दर साहिब के 'लंगर' में दिखती है। जबकि गुस्मूषी के गुजारे के लिए लाख कमाने की मंशा बहुत कम दिख रही थी। ग्राहकों के पास भले ही कुछ चुकाते वक्त पांच रुपए के छिटे लगे हों, तब भी वह उसी मुस्कान के साथ उनको बाय बोल रहे थे। यह देखकर मुझे देश के बड़े हवाई अड्डों पर स्थित 'वांगो' जैसे चमक-धमक वाले रेस्तरां याद आ गए, जिनके डिस्प्ले बोर्ड पर लिखा होता है कि वे गर्म कॉफी पीतल के गिलास में परोसते हैं, जबकि वास्तव में वे इसे प्लास्टिक के गिलास में देते हैं। जिससे फिरकर कांफ़ी मुस्कानदेह हो जाती है। ग्राहकों के पास जब छुट्टे नहीं हों तो काउंटर पर बैठे कर्मचारी एक रुपया की नहीं छोड़ते, जबकि वह जानते हैं कि उन्होंने कॉफी के लिए बेहद अजीब-सा 231 रुपए का दाम रखा है। मैंने कई बार ऐसे बुजुर्गों को वहां से नाराज होकर जाने देखा है, जो ऑनलाइन भुगतान के अग्रयस्त नहीं होते। उन बुजुर्गों के पास एक रुपया छुड़ा नहीं होता था और वह 240 रुपए देकर 9 रुपए की डिप भी नहीं देना चाहते थे। फंडा यह है कि बड़ा दिल रखने के लिए बड़े बटुए की जरूरत नहीं। इसके लिए महज एक छेदा-सा इरदा ही काफी है।

गांधी जयंती पर जिलाधिकारी ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन,कलेक्ट्रेट में माल्यार्पण कर सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सेवा के आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान
गांधी जी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान,07 क्षय रोगियों को वितरित की गई पोषाहार पोटीली
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी



जी की 157वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित गांधी उद्यान में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में महात्मा गांधी जी की प्रिय रामधुन 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम' का सांस्कृतिक गायन किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की धरोहर हैं। उन्होंने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए कठिन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी के संघर्ष, विचारों एवं आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करते हुए समाज के अंतिम पाशवान पर

अहिंसा की प्रेरणा दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमाभि गंगे) श्री रोहित यादव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट आकांक्षा गौतम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप सिंह पटेल ने भी महात्मा गांधी जी के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला।गांधी जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने जनपद के चिन्हित 07 क्षय रोगियों को पोषाहार पोटीली वितरित की। पोषाहार पोटीली प्राप्त करने वालों में जितेन्द्र कुमार सिंह, सुरेन्द्र नाथ, रीता देवी, रामाशंकर विश्वकर्मा, कन्हैया यादव, शान्ति देवी एवं किरन देवी शामिल रही। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमाभि गंगे) श्री रोहित यादव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री रमेश



चन्द्र, उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट आकांक्षा गौतम, सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप सिंह पटेल, अपर जिला सुचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी श्री रामलाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन न्याय सहायक श्री सुरेश पाठक द्वारा किया गया।

'ऑपरेशन शुद्धि' के तहत थाना पिपरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई- अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करी से जुड़े 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माई के निर्देशन में



'ऑपरेशन शुद्धि' के तहत मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर सूत्री मेक्सिस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 2 किंवदंती 850 ग्राम अवैध गांजा, तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा एक्सयूवी वाहन एवं 02 मोबाइल फोन बरामद किया गया। अभियुक्तों द्वारा पुलिस चेकिंग से बचने के उद्देश्य से वाहन पर फर्जी नम्बर फ्लेट लगाई गई थी। घटना का संक्षिप्त विवरण व वृत्त कार्यावाही -दिनांक

बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत कर, अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रयुक्त महिन्द्रा एक्सयूवी वाहन एवं 02 मोबाइल फोन बरामद, कुल बरामदगी की अनुमानित कीमत लगभग

वाहन पर फर्जी नम्बर फ्लेट लगाकर गांजा तस्करी करने का प्रयास,2 किंवदंती 850 ग्राम अवैध गांजा बरामद (अनुमानित कीमत लगभग रु1 करोड़ 50 हजार) तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा एक्सयूवी वाहन एवं 02 मोबाइल फोन बरामद,(कुल बरामदगी की अनुमानित कीमत लगभग

महोबा पहुंचाने के लिए कहा गया था, जिससे वे एलन में उर्फ रु20,000-रु20,000 प्रति चक्कर देने की बात कही गई थी। अभियुक्तों ने बताया कि इससे पूर्व भी वे एक-दो बार गांजा पहुंचा चुके हैं। अभियुक्तों के अनुसार वे दिनांक 29.09.2026 को ओडिशा से गांजा लेकर महोबा के लिए निकले थे। रास्ते में पुलिस चेकिंग देखकर उन्होंने वाहन को जंगल की ओर ले जाकर कुछ समय के लिए छिपा दिया था। पूछताछ में यह भी प्रकाश में आया कि पुलिस को भ्रमित करने के उद्देश्य से वाहन पर अलग-अलग नम्बर फ्लेट का प्रयोग किया जा रहा था। पूछताछ में प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर गांजा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं नेटवर्क के संबंध में जांच की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. उमेश अहिरवार पुत्र राम मनोहर अहिरवार, निवासी बजरंग चौक, गांधीनगर, थाना कोतवाली

वाटरशेड विकास घटक-पीएमकेएसवाई 2.0 के तहत घोरावल एवं नगांव में आयोजित हुआ 'रिफॉर्म उत्सव'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। भूमि संरक्षण अधिकारी, रॉबर्ट्सगंज-सोनभद्र ने अवगत कराया कि जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के



निर्देश के क्रम में दिनांक 02 अक्टूबर 2026 को जनपद में वाटरशेड विकास घटक-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) 2.0 के अंतर्गत परियोजना घोरावल एवं नगांव में 'रिफॉर्म उत्सव' का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत सिरसाई, विकास खण्ड घोरावल तथा ग्राम पंचायत आमडीह, विकास खण्ड नगांव में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से वाटरशेड विकास की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार

डीएम ने निर्माणाधीन राजकीय इंटर कॉलेज का किया निरीक्षण

सोनभद्र। सोनभद्र डीएम चर्चित गौड़ ने शनिवार को निर्माणाधीन राजकीय इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। काम की गति अपेक्षाकृत धीमी मिलने पर उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिकारी को फटकार लगाते हुए तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण स्थल पर लेकर और मिस्रियों की संख्या बढ़ाई जाए और 15 दिनों तक हर हाल में भवन का निर्माण पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने और प्रगति की लगातार समीक्षा के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डीएम ने भवन निर्माण में इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता भी देखी। उन्होंने निर्माण सामग्री और अन्य उपयोगी सामग्री की थई पार्टी से गुणवत्ता जांच कराने के निर्देश दिए।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दी आर्यस एकेडमी संत नगर राबर्ट्सगंज में 2 अक्टूबर को



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रा जालान, प्रबंध निदेशक विनोद

जिला कांग्रेस कार्यालय, सोनभद्र में महापुरुषों की जयंती पर संगोष्ठी एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम संपन्न,जिला और शहर कांग्रेस कमिटी ने संयुक्त रूप से किया माल्यार्पण, महापुरुषों के विचारों पर हुई चर्चा

शहर अध्यक्ष फरीद अहमद ने किया कार्यक्रम का कुशल संचालन



मसूरिया दीन पासी जी का जीवन शोषित-वंचितों को हक दिलाने में है। गांधी जी के भाईचारे के सिद्धांतों की आज और अधिक

सीतापुर पुलिस की बड़ी सफलता

फर्जी बैंक मैनेजर व महिला आयकर निरीक्षक बनकर 27 लाख की ठगी करने वाले अन्तर्देशीय शातिर दंपति गिरफ्तार, 14 लाख नकद, सोने के आभूषण व कूटचरित पहचान पत्र बरामद

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सोनभद्र। थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए फर्जी बैंक अधिकारी व आयकर निरीक्षक बनकर देश के विभिन्न राज्यों में ठगी करने वाले अंतरराज्यीय दंपति को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से ठगी के 14 लाख रुपये नकद, 38,740 ग्राम सोने के आभूषण, फर्जी पहचान पत्र एवं 2 एंड्राइड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। घटना क्रम- फर्जी पहचान व किराए पर मकान लेना- अभियुक्तों ने मई 2026 में सीतापुर आकर रेकी की। तत्पश्चात 31 अगस्त 2026 को प्रेम नगर (सीतापुर) में रामनरेश जायसवाल के मकान में किराये पर रहने आए। रोहित बाजपेयी ने खुद को पीएनबी (पंजाब नेशनल बैंक) शाखा मिश्रिख, सीतापुर का शाखा प्रबन्धक बताया तथा फर्जी आईडी कार्ड दिखाया। वहीं उसकी पत्नी अन्नू बाजपेयी ने खुद को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में इन्स्पेक्टर ऑफ इन्कम टैक्स बताकर कूटचरित पहचान पत्र दिखाया। ठगी व झांसा देकर रकम ठेकना- अभियुक्तों ने मकान मालिक व स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर नीलामी के गोल्ड बिस्किट सस्ते में दिलाने तथा कटे-फटे/



के नाम पर रु2 लाख (कुल रु22 लाख)। दीदी प्रेमलता बाजपेयी के माध्यम से गोपाल स्वीट पर उनके विश्वासपात्र से रु1 लाख। अतुल (लॉन्डू संचालक) से रु4 लाख।घटना के बाद फरार होना व खरीदारी-दिनांक 14/09/2026 को ठगी के रु27 लाख लेकर अभियुक्त इटावा से बुलाई गई अटिंगा कर से सीतापुर से फरापुर, हो गए। वे आगरा, कोटा, बैतूल तथा चेन्नई आदि शहरों में गाड़ियां बदलकर छुपे रहे। ठगी के पैसे से अभियुक्तों ने बिना बिल के रु6

सोनभद्र में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा, सीडीओ ने दिए सुधार के निर्देश

आकांक्षी जिला कार्यक्रम की समीक्षा में कम प्रगति वाले सूचकों पर सीडीओ ने जताया फोकस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एक्षीपी) एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एक्षीपी) की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना से संबंधित 49 संकेतकों एवं 81 डाटा पॉइंट की विभागावार समीक्षा की गई। इस दौरान जनपद की प्रगति की तुलना राष्ट्रीय एवं राज्य औसत से करते हुए कम प्रगति वाले सूचकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। शिक्षा क्षेत्र की समीक्षा में सितंबर 2026 तक कक्षा 5 से 6 की संक्रमण दर 83.02 प्रतिशत तथा कक्षा 8 से 9



तथा कक्षा 8 से 9 की संक्रमण दर नागवा में 37.63, दुद्धी में 45.24 एवं घोरावल में 49.91 प्रतिशत दर्ज की गई। सभी विद्यालयों में कार्यशील पेयजल एवं विद्युत सुविधा तथा समय से पाठ्यपुस्तक वितरण की स्थिति

रोजगार की दर 44.23 प्रतिशत तथा पोर्टल पर पंजीकृत प्रशिक्षणों में पूर्ण अप्रेंटिसिप की दर 66.67 प्रतिशत रही। आधारभूत सुविधाओं के कई संकेतकों में 100 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जबकि ग्राम पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी का संकेतक 7.89 प्रतिशत रहा।

सीडीओ जागृति अवस्थी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय एवं राज्य औसत से पीछे चल रहे सभी सूचकों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित करते हुए विभागावार कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कम प्रगति वाले सूचकों की नियमित समीक्षा, आपसी समन्वय एवं समयबद्ध कार्रवाई के तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

महिलाओं को पीसीओडी, मधुमेह के प्रति कर रहीं निःशुल्क जागरूक,खेल जगत से समाज सेवा तक, बर्नी प्रेरणा स्रोत

अमरोहा। मंडी धनौरा के मलहुपुरा गांव की दीपा सिरौही



खेल जगत से लेकर समाज सेवा तक महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी हैं। उन्होंने योग के जरिए महिलाओं को पीसीओडी, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के प्रति जागरूक किया है। दीपा ने 2004 में वॉक रेस से अपना खेल सफर शुरू किया। उन्होंने 2009 में डिस्कस थ्रो में कांस्य, 2011 में हैमर थ्रो में रजत और 2015 में

नेशनल हैमर थ्रो में स्वर्ण पदक जीता। शायी के बाद भी उन्होंने

लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। दीपा ने अपनी गर्भावस्था के दौरान भी योग करना जारी रखा। वह मेरठ में राजकीय सेवा के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए काम कर रही हैं। लॉकडाउन के बाद मेरठ पहुंची दीपा सिरौही वर्ष 2021 से राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल, मेरठ में बतौर योग प्रशिक्षिका अपनी सेवाएं दे रही हैं। वह मंदिरों,पार्कों, स्कूलों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, नारी निकेतन, बैंकों और 'ओम शांति ओम' जैसे योग आध्यात्मिक केंद्रों पर निःशुल्क योग शिविर लगा रही हैं। विशेष रूप से वह महिलाओं में होने वाली बीमारियों (जैसे पीसीओडी सर्वाइकल, घुटनों का दर्द, शुगर, थायरॉइड, कंठ प्रेशर आदि) के प्रति योग के माध्यम से जागरूकता फैला रही हैं।वर्तमान में वह अपने पांच साल के बेटे और सास-ससुर के साथ रहकर पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभा रही हैं। खेल से शुरू हुआ उनका सफर आज हजारों महिलाओं और नागरिकों के जीवन में आरोग्य की नई किरण जगा रहा है।

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर,इंडोनेशिया के बाली में एक्सीडेंट, एयर एंडुलेंस से मुंबई लाया जा रहा, सर्जरी होगी

मुंबई। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा के बाली में हुए हादसे के बाद रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। न्यूज़ एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, नुसरत



फिलहाल बाली के अस्पताल में भर्ती हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। शुक्रवार को नुसरत की टीम की पब्लिसिस्ट संचिता त्रिवेदी ने बताया कि डॉक्टर आगे की जांच के बाद उनकी रीढ़ की सर्जरी करेंगे। उन्हें इलाज के लिए एयर एंडुलेंस से बाली से मुंबई लाने की तैयारी की जा रही है। मुंबई पहुंचने के बाद उनकी सर्जरी होगी। टीम के मुताबिक, चोट और सर्जरी की वजह से नुसरत को आराम करने और ठीक होने में समय लगेगा। इसका असर आने वाले हफ्तों में उनकी काम से जुड़ी जिम्मेदारियों पर भी पड़ सकता है।

एक्टर डीनो मोरिया के गिरफ्तार होने की खबर ,मीठी नदी डीसिल्टिंग घोटाले से जुड़ा है मामला

मुंबई। एक्टर डीनो मोरिया शुक्रवार को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार होने की खबर सामने

इसलिए आया क्योंकि उन पर उन कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारियों से जुड़े होने का आरोप है।इन लोगों

में भी ईडी ने मुंबई और कोचिन में 15 गणहों पर छापेमारी की, जिसमें मोरिया का घर भी शामिल था।



आई है। शुक्रवार सुबह वे कमिश्नर ऑफिस पहुंचे, जहां मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफिस विंग (ईओडब्ल्यू) के सामने उनकी पेशी हुई। मामला मीठी नदी डीसिल्टिंग स्कैम का है। दावा है कि राज्य में नदियों की सफाई के नाम पर हुए 65 करोड़ रुपए का गबन हुआ। इस जांच में मोरिया का नाम

पर मुंबई में बाढ़ से बचाव और ड्रेनेज सिस्टम के रखरखाव के लिए दिए गए सरकारी फंड में हेराफेरी करने का शक है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब डीनो, दिशा सालियन की मौत के मामले में भी जांच का सामना कर रहे हैं। पिछले साल ईडी ने डीनो के घर छापामारा था:-2025

इन छापों में उन लोगों और संगठनों को निशाना बनाया गया जो जांच के दायरे में आए कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारियों से जुड़े थे। जांच में सामने आया कि आरोपी केतन कदम और जय जोशी ने मैटग्रॉप कंपनी के अधिकारियों और बीएमसी के स्टॉर्म वॉटर डैन्स विभाग के अधिकारियों के साथ

मिलीभगत करके घोटाला किया। जब घोटाले के मुख्य आरोपी केतन कदम के कॉल रिकॉर्ड्स की जांच हुई तो इसमें एक्टर डिनो मोरिया और उनके भाई का नाम सामने आया। दोनों ने कई मौकों पर केतन कदम से बात की थी। जांच अधिकारियों का मानना है कि डीनो मोरिया और केतन महज दोस्त नहीं हैं, बल्कि उनके बीच पैसों का लेन-देन भी हो सकता है। यही वजह है कि डिनो को जांच के दायरे में लेकर पूछताछ की जा रही है।

क्या था मीठी नदी डीसिल्टिंग प्रोजेक्ट:-मीठी नदी डीसिल्टिंग प्रोजेक्ट की शुरुआत 2005 में मुंबई में आई बाढ़ के बाद बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) और अन्य सिविक एजेंसियों की थी।

इस प्रोजेक्ट का मकसद मलबे को हटाकर और नदी के तल का रखरखाव करके बाढ़ से निजमेंट को बेहतर बनाना था। बाद की जांच में डीसिल्टिंग के बताए गए काम और असल में किए गए काम के बीच अंतर मिला, जिससे प्रोजेक्ट के फंड के इस्तेमाल पर शक पैदा हुआ।

पार्टनर इंटीमेट होना चाहता है पर मैं अभी तैयार नहीं हूं, मैं मना करती हूं, वो जिद करता है, उसे कैसे समझाऊं?

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुबुल, विलनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 24

इंटीमेसी पूरी तरह आपकी सहजता और मानसिक तैयारी पर निर्भर है। इंटीमेसी कोई 'रिलेशनशिप टेस्ट' नहीं है, जिसे पास करना जरूरी ही है। एक हेल्दी



साल है। मैं मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हूं। एक साल से रिलेशनशिप में हूं। हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। प्रॉब्लम ये है कि मेरा बॉयफ्रेंड इंटीमेट होना चाहता है, लेकिन अभी मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं। वो अलग-अलग तरीकों से कहता है, इंसिस्ट करता है और

रिश्ते में 'ना' का सम्मान, 'हां' से भी ज्यादा जरूरी है। अगर आप तैयार नहीं हैं तो दबाव में लिया गया कोई भी फैसला आपकी मेंटल हेल्थ और रिश्ते, दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और सॉल्यूशन पर बात करते हैं। सबसे

होता। नो का मतलब 'कल, परसों' नहीं होता। नो का मतलब सिर्फ 'नो' होता है।सहमति- इंटीमेसी की पहली और सबसे जरूरी शर्त- किसी भी रिश्ते में कंसेंट यानी सहमति को सही तरीके से समझना बहुत जरूरी है। यह सिर्फ एक बार 'हां' कहने तक सीमित नहीं होता। इसमें अपनी मर्जी, सहजता और कभी भी फैसला बदलने का हक शामिल है। 'नो' कहने पर मैंनिपुलेट कर सकता है पार्टनर ऐसी कंडीशन में पार्टनर अक्सर इमोशनल मैंनिपुलेशन' का सहारा लेते हैं। आपने लिखा भी है कि पार्टनर तरह-तरह से इंसिस्ट करता है। यह प्यार नहीं, बल्कि कंट्रोलिंग का एक तरीका है। अगर किसी शर्त या दबाव के बाद पार्टनर 'हां' कहे तो उसका मतलब 'ना' ही होता है। इसे दोनों को समझना होगा। 'बात मानने' और 'कंसेंट' में बड़ा फर्क-रिश्ते में किसी की बात मान लेना और मन से राजी होना, दोनों में बड़ा फर्क है। फीरल पार्टनर झगड़ा ठालने या सामने वाले की खुशी के लिए 'हां' कह देती

है, लेकिन असल में तैयार नहीं होती। ऐसी मजबूरी में दी गई सहमति धीरे-धीरे रिश्ते में कड़वाहट पैदा कर सकती है। सामझिए कि किस 'हां' का मतलब कंसेंट नहीं है- गर आप अपने

भावनाओं से ज्यादा अपनी जरूरतों को अहमियत दे रहा है। अच्छा पार्टनर 'ना' का सम्मान करता है। अपने साथ समझौता न करें- रिलेशनशिप में अपनी सीमाएं तय करना स्वार्थ नहीं, बल्कि सेल्फ-रिस्पेक्ट है। जो पार्टनर आपकी 'ना' का सम्मान नहीं कर सकता, उससे भविष्य में हेल्दी रिलेशनशिप की उम्मीद करना मुश्किल है। इस स्थिति से कैसे निपटें? अगर आप ऐसी दुविधा में हैं तो इन 4 स्टेप्स सकती हैं- 1. आमने-सामने बैठकर बात करें- इशारों में बात करने की बजाय पार्टनर के साथ बैठकर बात करें। उसे स्पष्ट शब्दों में कहें- 'मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ और हमारे रिश्ते की कड़ करती हूँ, लेकिन अभी मैं इंटीमेसी के लिए मेंटली तैयार नहीं हूँ।

' अगर आपके बीच वाकई अच्छी बॉन्डिंग है तो वह आपकी ईमानदारी का सम्मान करेगा, न कि आप पर दबाव बनाएगा। 2. अपनी प्राथमिकता तय करें-अमुमन लोग सोचते हैं कि 'ना' कहने से रिश्ता टूट जाएगा, लेकिन याद रखें कि खुद की मर्जी के खिलाफ जाकर कुछ करना प्यार नहीं, समझौता है।

आपका मानसिक सुकून और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर होना चाहिए। जो रिश्ता आपकी सहजता की कीमत मांगे, वह लंबे समय तक खुशी नहीं दे सकता। 3. पार्टनर की प्रतिक्रिया को नोटिस करें- 'ना' कहने के बाद यह जरूर देखें कि आपके पार्टनर का व्यवहार कैसा है।

क्या वह आपकी बात मानकर आपको समय दे रहा है? या फिर नाराज हो रहा है? इमोशनल ब्लैकमेल कर रहा है या नजरअंदाज कर रहा है? उसकी यह प्रतिक्रिया आपको बताएगी कि वो आपसे प्यार करता है या सिर्फ अपनी जरूरतें पूरी करना चाहता है। 4. गिट्ठ से पूरी तरह बाहर निकलें-कई बार लड़कियां 'ना' कहने के बाद खुद को दोषी महसूस करने लगती हैं। उन्हें लगता है कि उन्होंने पार्टनर का दिल दुखाया है। यह समझना जरूरी है कि अपनी बॉडी और लाइफ पर आपका पूरा अधिकार है। 'ना' कहना आपका बुनियादी हक है। खुद को यह बताएं कि आपने कोई गलती नहीं की है कि वह आपकी

ट्रेनों में गाकर पैसे कमाए,डॉक्टर बनने का मौका छोड़ा, 'विककी डोनर' से बदली किस्मत, आयुष्मान खुराना बोले- रिस्क लेकर यहां तक आया

मुंबई। आयुष्मान खुराना आज बॉलीवुड के उन एक्टर में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपनी अलग तरह की

भी नहीं थी। वह अपने डॉक्टर दोस्त के साथ कईएम हॉस्पिटल के हॉस्टल में रहे और ऑडिशन

के बाद उनके करियर की दिशा बदल गई। फिर शुरू हुआ अलग कहानियों का दौर-इसके बाद



फिल्मों से इंडस्ट्री में पहचान बनाई। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। चंडीगढ़ से निकले आयुष्मान ने थिएटर किया, रेडियो जॉकी बने, एमटीवी पर वीजे रहे और कई ऑडिशन दिए। उन्हें इंडियन आइडल-2 में भी रिजेक्शन मिला। 2012 में 'विककी डोनर' से फिल्मी करियर शुरू हुआ। पहली फिल्म हिट हुई। इसके बाद लगातार तीन फिल्में नहीं चलीं। फिर 'दम लगा के हईशा' से करियर ने दोबारा रफ्तार पकड़ी। इसके बाद 'बरेली की बर्फी', 'शुभ मंगल सावधान', 'अंधाधुन', 'बधाई हो', 'आर्टिकल 15', 'ड्रीम गर्ल' और 'बाला' जैसी फिल्मों ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। चंडीगढ़ में हुआ जन्म, पिता ज्योतिषी-आयुष्मान खुराना का जन्म 14 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ में हुआ। उनकी शुरुआती पढ़ाई चंडीगढ़ के सेंट जॉन्स हाई स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ से इंग्लिश

देते रहे। ट्रेन में गाने से कमाए पैसे-फिल्म स्टार बनने से बहुत पहले आयुष्मान और उनके दोस्त ट्रेनों में परफॉर्म करते थे। उन्होंने बताया था कि कॉलेज के दौरान वे पश्चिम एक्सप्रेस में दोस्तों के साथ चढ़ते और अला-बलाग कोच में गाना-परफॉर्म करना शुरू कर देते थे। यात्रियों से मिलने वाले पैसे इकट्ठा किए जाते थे और आयुष्मान के मुताबिक, इतनी कमाई हो जाती थी कि दोस्तों ने उससे गोवा ट्रिप तक स्पॉन्सर की थी।इंडियन आइडल से भी हुए रिजेक्ट:- आयुष्मान का स्टूडेंट सिर्फ एक्टिंग ऑडिशन तक सीमित नहीं था। उन्होंने इंडियन आइडल-2 में भी हिस्सा लिया था, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह मुंबई राउंड तक पहुंचे थे और वहां उन्हें रिजेक्शन मिला। उनके मुताबिक, मुंबई आने से पहले भी उन्हें कई रिजेक्शन मिल चुके थे। 2012 में 'विककी



लिटरेचर की पढ़ाई की और पंजाब यूनिवर्सिटी वेग स्कूल ऑफ कम्प्यूनिवेशन स्टडीज से पत्रकारिता में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। उनके पिता भी, खुराना जाने-माने ज्योतिषी थे, जबकि मां पूनम खुराना ने हिंदी में एमए किया था। परिवार का माहौल पढ़ाई, साहित्य और कला से जुड़ा रहा। आयुष्मान ने कॉलेज के दिनों में थिएटर किया और दो थिएटर ग्रुप भी बनाए। डॉक्टर बनना की सपना था, डेंटिस्ट की सीट भी मिली थी:- एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले आयुष्मान ने डॉक्टर बनने का सपना देखा था। उन्होंने 11वीं में साइंस ली थी और कर्नाटक के एक डेंटल कॉलेज में उन्हें सीट भी मिल गई थी। लेकिन तभी उनका रुझान थिएटर की तरफ बढ़ा। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर आर्ट्स और थिएटर चुना। डीएवी कॉलेज में उन्होंने थिएटर ग्रुप बनाए और स्टूडेंट प्ले किए। थिएटर में काम करते हुए आयुष्मान ने सामाजिक मुद्दों को समझा। यही अनुभव आगे चलकर उनकी फिल्मों के विषयों में भी दिखाई दिया। रोडीज जीते, लेकिन तुरंत मुंबई नहीं आए-2004 में आयुष्मान ने एमटीवी रोडीज सीजन-2 जीता। इसके बाद उन्हें पहचान मिलने लगी, लेकिन उन्होंने तुरंत मुंबई जाकर फिल्में में किस्मत नहीं आजमाई। पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान उन्होंने रेडियो में काम शुरू किया। बाद में वे एमटीवी के वीजे बने और कई शो होस्ट किए। फिल्मों में आने से पहले आयुष्मान ने अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान जैसे सितारों का इंटरव्यू भी लिया था। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि 'मिलेगी:- आयुष्मान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पढ़ाई पूरी करने के बाद वह दो महीने का ब्रेक लेकर एक्टिंग की तैयारी करना चाहते थे। लेकिन उनके पिता ने उन्हें तुरंत मुंबई जाने के लिए कहा। आयुष्मान के मुताबिक, उनके पिता ने कहा था कि अगर अभी नहीं गए तो दो साल तक नौकरी नहीं मिलेगी। इसके बाद वह मुंबई आ गए। शुरुआती दिनों में उनके पास रहने की जगह

'डोनर' पहली ही फिल्म ने बदल दी जिंदगी:-2012 में आयुष्मान ने शूजित सरकार की 'विककी डोनर' से बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म का विषय उस दौर के लिए काफी असामान्य था और आयुष्मान ने स्पर्म डोनर का किरदार निभाया। फिल्म सफल रही और आयुष्मान को रातोंरात पहचान मिली। उन्हें फिल्म के लिए बेस्ट मेल डेब्यू के साथ फ्लैबक सिंगिंग के लिए भी पहुंच सकती हैं। पत्नी ताहिरा ने स्क्रिप्ट चुनने में निभाई अहम भूमिका:-आयुष्मान और ताहिरा बाहर से दिखाई देता था। पहली फिल्म के बाद लगातार तीन फ्लॉप, करियर पर लगा ब्रेक:-'विककी डोनर' के बाद आयुष्मान की 'नॉटकी साला!', 'बेवकुफिया' और 'हवाईजादा' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। खुद आयुष्मान ने माना कि 'विककी डोनर' के बाद वह काफी कन्फ्यूज थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किस तरह की फिल्में करनी चाहिए। उन्होंने बाद में बताया कि तीन लगातार फिल्मों के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बाद उनका नजरिया बदला। 'दम लगा के हईशा' ने फिर बदली कहानी:-2015 में आई 'दम लगा के हईशा' आयुष्मान के करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बनी। फिल्म

आयुष्मान ने एक के बाद एक ऐसे विषय चुने, जिनसे मुख्यधारा के कई अभिनेता दूरी बनाते रहे। 'बरेली की बर्फी' में छोटे शहर की



कहानी, 'शुभ मंगल सावधान' में इरेक्टाइल डिस्फंक्शन जैसा सेवेदनशील विषय, 'अंधाधुन' में ब्लाइंड पियानो प्लेयर, 'बधाई हो' में उपद्रवराज माता-पिता की प्रेनेसी, 'आर्टिकल 15' में जातिगत भेदभाव, 'ड्रीम गर्ल' में फोन पर लड़की की आवाज निकालने वाला युवक और 'बाला' में समय से पहले बाल झड़ने की समस्या जैसे विषय सामने आए। यहीं से आयुष्मान की एक अलग तरह की फिल्मी पहचान बनने लगी। आयुष्मान कहते हैं कि उनका पूरा करियर रिस्क से बना है और वह सामान्य कमर्शियल फिल्म में खुद को आसानी से नहीं देख पाते। 'अंधाधुन' और 'बधाई हो' ने स्टारडम मजबूत किया:-2018 आयुष्मान के करियर के सबसे महत्वपूर्ण सालों में रहा। 'अंधाधुन' ने उन्हें अभिनेता के तौर पर नई ऊंचाई दी, जबकि 'बधाई हो' ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की। 'अंधाधुन' ने भारत के अलावा चीन में भी जबरदस्त कारोबार किया। वहीं 'बधाई हो' ने भारत में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया। इसी दौर में आयुष्मान ने साबित किया कि कम बजट और असामान्य विषय वाली फिल्में भी दर्शकों तक पहुंच सकती हैं। पत्नी ताहिरा ने स्क्रिप्ट चुनने में निभाई अहम भूमिका:-आयुष्मान और ताहिरा बाहर से दिखाई देता था। पहली फिल्म के बाद लगातार तीन फ्लॉप, करियर पर लगा ब्रेक:-'विककी डोनर' के बाद आयुष्मान की 'नॉटकी साला!', 'बेवकुफिया' और 'हवाईजादा' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। खुद आयुष्मान ने माना कि 'विककी डोनर' के बाद वह काफी कन्फ्यूज थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किस तरह की फिल्में करनी चाहिए। उन्होंने बाद में बताया कि तीन लगातार फिल्मों के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बाद उनका नजरिया बदला। 'दम लगा के हईशा' ने फिर बदली कहानी:-2015 में आई 'दम लगा के हईशा' आयुष्मान के करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बनी। फिल्म

जॉनर और नए किरदार आजमाने जारी रखे। 'हर फिल्म रिस्क थी, इसलिए अब डर नहीं सकता'- आयुष्मान के करियर की खास बात यही है कि उन्होंने शुरूआत ही एक रिस्की विषय से की थी। उनके शब्दों में- 'मेरी हर फिल्म रिस्क थी, शायद बाकी एक्टर के मुकाबले। मैं रिस्क लेकर यहां तक पहुंचा हूँ, तो मैं डर नहीं सकता हूँ।' यही सोच उनके करियर में बार-बार दिखाई देती है। कभी स्पर्म डोनर, कभी नपुंसकता से जुझता युवक, कभी अंधा पियानो प्लेयर, कभी जातिगत भेदभाव के खिलाफ खड़ा पुलिस अफसर और कभी माता-पिता की प्रेनेसी से परेशान बेटा। 40 की उम्र के बाद भी प्रयोग जारी:-आयुष्मान ने उम्र बढ़ने के साथ अपने करियर का दायरा भी बढ़ाया है। 'डॉक्टर जी' और 'एन एक्शन हीरो' के बाद उन्होंने अलग जॉनर आजमाए। 2025 में वह 'थामा' में नजर आए, जो मैडॉक फिल्म के हॉरर-कॉमेडी यूनियर्स का हिस्सा थी। फिल्म में उनके



साथ रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी थे। 2026 में भी उनका प्रयोग जारी है। उनकी आने वाली फिल्मों में 'ये प्रेम मोल लिया' और 'उड़ता तीर' शामिल हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्टूबर को रिलीज होगी। वहीं 'राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी 'ये प्रेम मोल लिया' में आयुष्मान शरवरी वाघ के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को रिलीज होगी। इसका निर्देशन सूरज बड़नाया ने किया है। एक्टिंग के साथ सिंगिंग में भी बनाई पहचान:- आयुष्मान खुराना की पहचान सिर्फ एक्टर के तौर पर नहीं है। वह अच्छे सिंगर भी हैं और कॉलेज के दिनों से संगीत उनके करियर का हिस्सा रहा है। उन्होंने डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ में पढ़ाई के दौरान अपने दोस्त रोचक कोहली के साथ मिलकर 'पानी दा रंग' गाना लिखा और कंपोज किया था। यह गाना उन्होंने 2003 में लिखा था, लेकिन इसे रिलीज होने का मौका करीब 9 साल बाद मिला। 2012 में फिल्म 'विककी डोनर' से आयुष्मान ने बॉलीवुड डेब्यू किया और इसी फिल्म के गाने 'पानी दा रंग' को अपनी आवाज भी दी। उन्होंने गाना सिर्फ गाया नहीं, बल्कि रोचक कोहली के साथ इसे कंपोज भी किया था। गाना इतना लोकप्रिय हुआ कि आयुष्मान को फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट मेल फ्लैबक सिंगार मिला। इसके बाद आयुष्मान ने 'नॉटकी साला', 'बेवकुफिया' जैसी फिल्मों के लिए भी फ्लैबक सिंगिंग की। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह खुद को 'एक्टर-सिंगर' मानते हैं और म्यूजिक को अपने करियर का समानांतर हिस्सा समझते हैं। आयुष्मान की संगीत की ट्रेनिंग भी रही है। उन्होंने बताया था कि वह बचपन से गाते थे और उन्हें वोकर ट्रेनिंग मिली थी, हालांकि यह ट्रेनिंग औपचारिक तरीके से नहीं हुई थी। उनके पिता भी संगीत में रुचि रखते थे और बांसुरी बजाते थे।

स्वत्वाधिकारी

प्रकाशक एवं मुद्रक

डॉ. दीपक अरोरा

श्री आधुनिक प्रिन्टर्स

एण्ड

पैकेजर्स रा.लि.

1- मिर्जापुर रोड नैनी

प्रयागराज उ.प्र. 211008 से

मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए

कालोनी नैनी प्रयागराज

211008 (उ.प्र.)

से प्रकाशित

सम्पादक

डॉ.दीपक अरोरा

मो 0 नो 09415608783

RNI No. UPHIN/2012/41154

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के जयन एवं सम्पादन हेतु 09415608783 एडर के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।